No. of .pages - 5

Class -VII
ANNUAL EXAMINATION (2023-24)
Subject - Hindi
Set - A1/A2
MARKING SCHEME

Time - 2.5 Hr. M.M.-60

Set C1	Set C2	प्रश्न	अंक
1	8	अनुच्छेद लेखन - विषय प्रतिपादन , अभिव्यक्ति , भाषिक शुद्धता	5
2	9	पत्र लेखन - प्रारूप , विषय प्रतिपादन , भाषिक शुद्धता	5
3	10	चित्र लेखन - विषयवस्तु , भाषिक शुद्धता	3
4	7	पदभेदानुसार कीजिए iii)संबंधबोधक i)समुच्चयबोधक iii)रीतिवाचक क्रियाविशेषण iii)विस्मयादिबोधक	4
5	6	निर्देशानुसार कीजिए - क) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए i) दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करना - तेज़ी से उन्नति करना ii) न घर का न घाट का - दोनों पक्षों से उपेक्षित ख) पर्यायवाची शब्द लिखिए - i) नदी - तटिनी , सरिता , सलिला ii) पुष्प - फूल , प्रसून , कुसुम ग) दिए गए कारक के विभक्ति चिह्न लिखिए - i) अधिकरण कारक - में ,पर ii) संबंध कारक- का /के /की /रा /रे/ री iii) अपादान कारक - से	2 2 2

6	5	सही विकल्प चुनकर लिखिए - i) पाठिका ii) कर्मचारीवर्ग iii) सुलभ iv)हरियाली ii) कटुभाषी i) सूर्य , पक्षी , गुड्डी i) छियासी iv) धोखा , दरवाज़ा ii)अपनी योग्यता से अधिक बात करना ii) इन दिनों तुम क्या कर रही हो ?	10
7	3	निम्नलिखित में से **<u>किन्हीं चार</u>** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । क)सिंधु और ब्रह्मपुत्र हिमालय से निकलने वाली प्रमुख और बड़ी नदियाँ हैं। इन दो नदियों के बीच से अन्य दो छोटी-बड़ी नदियाँ बहती हैं। ये नदियाँ दयालु हिमालय के पिघले दिल की एक-एक बूंद इकट्ठा होकर ये नदी बनी हैं। ये नदियाँ सुंदर एवं लुभावनी लगती हैं । हिमालय की यात्रा में लेखक ने नदियों, पर्वतों, बर्फीली पहाड़ियों, हरी-भरी घाटियों तथा महासागरों की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। ख)रोहिणी की बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया था। इस पर उसने भावुक हो बताया-मैं भी अपने नगर का एक प्रतिष्ठित व्यापारी था। मकान, व्यवसाय, गाड़ी-घोड़े, नौकर-चाकर सभी कुछ था। स्त्री थी, छोटे-छोटे दो बच्चे थे। मेरा वह सोने का संसार था। उसके पास सुख के सभी साधन थे। स्त्री और छोटे बच्चे भी थे। ईश्वर की लीला सभी को ले गई। उसने इन व्यवसायों को अपनाने के निम्नलिखित कारण बताए- मैं इस व्यवसायों के माध्यम से अपने खोए बच्चों को खोजने निकला हूँ। इन हँसते-कूदते, उछलते तथा इठलाते बच्चों में अपने बच्चे की झलक होगी। इन वस्तुओं को बच्चों में बेचकर संतोष का अनुभव करता हूँ। बच्चों के चेहरे की खुशी देखकर मुझे असीम संतोष मिलता है। ग)दृढ़ निश्चय और अथक परिश्रम से पेड़ पर चढ़ने की सफलता पाने के बाद तोत्तो-चान और यासुकीचान को अपूर्व अनुभव मिला। इन दोनों के अपूर्व अनुभव का अंतर निम्न रूप में कह सकते हैं तोत्तो-चान-तोत्तो-चान स्वयं तो रोज़ ही अपने निजी पेड़ पर चढ़ती थी। लेकिन पोलियो से ग्रस्त अपने मित्र यासुकी-चान को पेड़ की द्विशाखा तक पहुँचाने से उसे अपूर्व आत्म-संतुष्टि व खुशी प्राप्त हुई क्योंकि उसके इस	3 X 4 = 12

		जोखिम भरे कार्य से यासुकी-चान को अत्यधिक प्रसन्नता मिली। मित्र को प्रसन्न करने में ही वह प्रसन्न थी।यासुकी-चान-यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़कर अपूर्व खुशी मिली। उसके मन की चाह पूरी हो गई। पेड़ पर चढ़ना तो दूर वह तो निजी पेड़ बनाने के लिए भी शारीरिक रूप से सक्षम न था। उसे ऐसा सुख पहले कभी न मिला था। घ)इस आनंदोत्सव में की रागिनी में बेमेल स्वर कैसे बज उठा, यह वाक्य उस घटना की ओर संकेत कर रहा है जब लेखिका ने बड़े मियाँ से एक अधमरी मोरनी खरीदी और उसे घर ले गई। उसका नाम कुब्जा रखा। उसे नीलकंठ और राधा का साथ रहना नहीं भाया। वह नीलकंठ के साथ रहना चाहती थी जबकि नीलकंठ उससे दूर भागता था। कुब्जा ने राधा के अंडे तोडकर बिखेर दिए। इससे नीलकंठ की प्रसन्नता का अंत हो गया क्योंकि राधा से दूरी बढ़ गई थी। कुब्जा ने नीलकंठ के शांतिपूर्ण जीवन में ऐसा कोलाहल मचाया कि बेचारे नीलकंठ का अंत ही हो गया। ड़)खानपान के मामले में स्वाधीनता का अर्थ है किसी विशेष स्थान के खाने-पीने का विशेष व्यंजन। जिसकी प्रसिद्धि दूर दूर तक हो। मसलन मुंबई की पाव भाजी, दिल्ली के छोले कुलचे, मथुरा के पेड़े व आगरे के पेठे, नमकीन आदि।खानपान में बदलाव के निम्नलिखित लाभ हैं - 1. एक प्रदेश की संस्कृति का दूसरे प्रदेश की संस्कृति से मिलना। 2. राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलना। 3. गृहिणियों व कामकाजी महिलाओं को जल्दी तैयार होने वाले विविध व्यंजनों की विधियाँ उपलब्ध होना। 4. बच्चों व बड़ों को मनचाहा भोजन मिलना च) कुँवर सिंह की सांप्रदायिक सद्भाव में गहरी आस्था थी। उनकी सेना में मुसलमान भी उच्च पदों पर थे। इब्राहीम खाँ तथा किफ़ायत हुसैन उनकी सेना में उच्च पदों पर आसीन थे। उनके यहाँ हिंदुओं तथा मुसलमानों में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करते थे। उनके यहाँ दोनों धर्मों के त्योहार एक साथ मनाए जाते हैं। इतना ही नहीं उन्होंने पाठशालाओं के साथ मकतबों का भी निर्माण कराया।	

8	4	निम्नलिखित में से **<u>किन्हीं तीन</u>** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । क) धरती का उदाहरण देकर रहीम समझाना चाहते हैं कि जिस प्रकार धरती सभी प्रकार की परिस्थितियों को सहती है उसी प्रकार मनुष्य को भी सुख दुख सब समान भाव से सहना चाहिए । ख)हर प्रकार की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते, क्योंकि उन्हें वहाँ उड़ने की आजादी नहीं है। वे तो खुले आसमान में ऊँची उड़ान भरना, नदी-झरनों का बहता जल पीना, कड़वी निबौरियाँ खाना, पेड़ की ऊँची डाली पर झूलना, कूदना, फुदकना अपनी पसंद के अनुसार अलग-अलग ऋतुओं में फलों के दाने चुगना और क्षितिज मिलन करना ही पसंद है। यही कारण है कि हर तरह की सुख-सुविधाओं को पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते। ग)कठपुतली स्वतंत्र होकर अपने पाँवों पर खड़ी होना चाहती है लेकिन खड़ी नहीं होती क्योंकि जब उस पर सभी कठपुतलियों की स्वतंत्रता की जिम्मेदारी आती है तो वह डर जाती है। उसे ऐसा लगता है कि कहीं उसका उठाया गया कदम सबको मुश्किल में न डाल दे। घ) छात्र अपने मतानुसार करेंगे ।	2 X 3 = 6

9	1	निम्नलिखित काव्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - ii)अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ii)लाल ii)कपड़े की मूठ देने लगे i)ऐंठ **अथवा** iv)सावन ii)कृष्ण ii)मनभावन ii)बिजली	4
10	2	दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - छात्र अपने मतानुसार करेंगे ।	1+2+ 2 =5